# प्रेस विज्ञप्ति

# ईपीसीएच और एक्सपोबाजार ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में बी2बी कैश एंड कैरी सेंटर का शुभारंभ किया

## उत्तर प्रदेश सरकार में कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा के माननीय राज्य मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल ने केंद्र का उद्घाटन किया

## 3डी डिजाइन स्टूडियो बना डिजाइनर्स, निर्यातकों और कारीगरों का आकर्षण

## मुरादाबाद रिसोर्स सेंटर को स्किलिंग के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' घोषित किया गया

**मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश | 9 जनवरी 2026**: भारत के हस्तशिल्प सोर्सिंग सिस्टम को नए सिरे से परिभाषित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड की क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स इकाई एक्सपोबाजार के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद स्थित ईपीसीएच रिसोर्स सेंटर में एक अत्याधुनिक कैश एंड कैरी सेंटर का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया | यह पहल संगठित व्यापार की दिशा में एक नया अध्याय है, जो भारत के जीवंत हस्तशिल्प, होम और लाइफस्टाइल उत्पाद उद्योग के लिए आसान पहुंच, पारदर्शिता और सुव्यवस्थित सोर्सिंग का मंच उपलब्ध कराती है |

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा के माननीय राज्य मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल उपस्थित रहे | उनके साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार और ईपीसीएच अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना भी मौजूद रहे | इस अवसर पर ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता, ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल, ईपीसीएच की प्रशासनिक समित के सदस्य,श्री राज कुमार मल्होत्रा, श्री रवि के. पासी, श्री प्रिंस मलिक, श्री सलमान आज़म, श्री जीशान अली, श्री नावेद उर रहमान, श्री रोहित ढल्ल, श्री सिमरनदीप सिंह कोहली, श्रीमती रशिम दुग्गल, श्री वरुण शर्मा, श्री मोहम्मद जुनैद; मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के संरक्षक श्री नजमुल इस्लाम, ईपीसीएच कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत, सदस्य निर्यातक, कारीगर, प्रेस और मीडिया प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे |

सभा को संबोधित करते हुए **उत्तर प्रदेश सरकार में कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा के माननीय राज्य मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल** ने ईपीसीएच और एक्सपोबाजार की तारीफ़ की, कि उन्होंने एक ऐसा आगे की सोच वाला प्लेटफॉर्म बनाया है जो दुनिया भर में "मेटल क्राफ्ट सिटी ऑफ़ इंडिया" के नाम से मशहूर मुरादाबाद शहर में एक्सपोर्टर्स, कारीगरों और युवा एंटरप्रेन्योर्स को सीधे सपोर्ट करता है। माननीय मंत्री ने मुरादाबाद रिसोर्स सेंटर को धातु शिल्प में कौशल-विकास हेतु 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई)' घोषित किए जाने पर बधाई दी, जो कारीगर प्रशिक्षण, डिज़ाइन नवाचार और बाज़ार-उन्मुख कौशल कार्यक्रमों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है और उन कारीगरों को स्किल ट्रेनिंग सर्टिफिकेट भी दिए जिन्होंने मेटल क्राफ्ट टेक्नीक में खास ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी की।

माननीय मंत्री ने डॉ. राकेश कुमार की बिना थके कोशिशों की भी तारीफ़ की, जिसमें उन्होंने दूरदर्शी इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन और मार्केट बढ़ाने की कोशिशों के ज़रिए भारतीय हस्तशिल्प को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, जिससे पारंपरिक क्लस्टर दुनिया भर में कॉम्पिटिटिव हब बन गए हैं। उन्होंने वहां मौजूद सभी एक्सपोर्टर्स से इन ट्रेंड कारीगरों के साथ अपने फील्ड एक्सपीरियंस, मार्केट की जानकारी और प्रैक्टिकल नॉलेज शेयर करने की अपील की और इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह के नॉलेज ट्रांसफर से मुरादाबाद का हस्तशिल्प इकोसिस्टम और मज़बूत होगा और लोकल कारीगरी की ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस बढ़ेगी।

इस मौके पर **ईपीसीएच अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना** ने कहा, "मुरादाबाद का यह कैश एंड कैरी सेंटर ईपीसीएच के उस व्यापक विजन का हिस्सा है, जिसका मकसद कारोबार को आसान बनाना और डिजाइन आधारित, बाजार की मांग के अनुरूप विकास को बढ़ावा देना है । मुरादाबाद का यह सेंटर एक वन-स्टॉप सोर्सिंग डेस्टिनेशन के रूप में तैयार किया गया है, जहां हस्तशिल्प, होम डेकोर, फर्निशिंग, गिफ्टवेयर, लाइफस्टाइल एक्सेसरीज, यूटिलिटी प्रोडक्ट्स और आधुनिक क्राफ्ट आधारित उत्पादों की चुनिंदा रेंज एक ही जगह उपलब्ध है ।"

उन्होंने बताया, "इस सेंटर में प्रदर्शित सभी उत्पाद भारतीय हस्तशिल्प निर्माता-निर्यातकों, क्राफ्ट उद्यमों और मुरादाबाद, नोएडा, आगरा, जयपुर, सहारनपुर, हरियाणा, दिल्ली, भदोही, संभल जैसे स्थापित क्राफ्ट क्लस्टर्स से लिए गए हैं। इनमें एक्सेंट फर्नीचर, होम डेकोर, ज्वेलरी, मार्बल डेकोर, रग्स और कारपेट्स, टेक्सटाइल्स, किचन एक्सेसरीज, लैंप और लाइटिंग समेत कई अन्य उत्पाद शामिल हैं और आगे और भी उत्पाद जोड़े जाएंगे। यह विविध चयन प्रामाणिकता, नैतिक सोर्सिंग और गुणवत्ता की गारंटी देता है, साथ ही देश की अलग-अलग क्षेत्रीय परंपराओं, सामग्रियों और कारीगरी तकनीकों को भी सम्मान देता है। यह सेंटर पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक रिटेल व सोर्सिंग जरूरतों के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता है। इससे कारीगरों और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत के बीच सीधा और सार्थक जुड़ाव बनता है, जिससे दीर्घकालिक आजीविका को बढ़ावा मिलता है और वैश्विक बाजार की बदलती अपेक्षाओं के साथ तालमेल भी बैठता है।"

**ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार** ने भी इसी भावना को दोहराते हुए कहा कि "मुरादाबाद में इस अत्याधुनिक कैश एंड कैरी सेंटर और इससे जुड़ी सुविधाओं की शुरुआत हमारे लिए एक अहम उपलब्धि है। यह पहल परंपरा और तकनीक का संगम है, जो क्लस्टर स्तर पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करती है और एक ऐसा संगठित मंच तैयार करती है, जो कारीगरों और निर्यातकों को सीधे कई तरह की खरीदारियों से जोड़ता है।"

उन्होंने ज़ोर देकर कहा, 'आप प्रोडक्ट दो, मैं आपको एक्सपो बाज़ार के ज़रिए मार्केट दूंगा'। यह पहल परंपरा को टेक्नोलॉजी के साथ मिलाती है, क्लस्टर लेवल पर इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करती है और एक ऑर्गनाइज़्ड प्लेटफ़ॉर्म बनाकर मार्केट डाइवर्सिफ़िकेशन को सपोर्ट करती है जो कारीगरों और एक्सपोर्टर्स को सीधे अलग-अलग तरह के खरीदारों से जोड़ता है।

डॉ. कुमार ने आगे बताया कि इस पहल को वेयरहाउसिंग, फुलफिलमेंट और जस्ट-इन-टाइम डिलीवरी मैकेनिज्म के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में भारतीय हस्तशिल्प के लिए तेजी से मार्केट एक्सेस मिल सकेगा, और एक मॉडर्न, कुशल और टिकाऊ एक्सपोर्ट वैल्यू चेन की नींव रखी जा सकेगी।

डॉ. राकेश कुमार ने आगे बताया, "भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस सेंटर में 3डी प्रिंटिंग सुविधा से लैस एक डिजाइन स्टूडियो भी बनाया गया है, जिसका उद्देश्य युवा उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स और पहली पीढ़ी के कारोबारियों को प्रोत्साहित करना है। इससे उन्हें अलग-अलग उत्पाद श्रेणियों, वैश्विक डिजाइन ट्रेंड्स, गुणवत्ता मानकों, पैकेजिंग नियमों और खरीदारों की क्या अपेक्षाएं हैं, इसकी समझ मिलेगी। इससे हस्तशिल्प इकोसिस्टम में नवाचार और सोच-समझकर निर्णय लेने को बढ़ावा मिलेगा।"

**ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता** ने कहा कि "यह कैश एंड कैरी सेंटर रिटेलर्स, होलसेलर्स, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, संस्थागत खरीदारों, इंटीरियर डिजाइनर्स, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के खरीदारों, सोर्सिंग एजेंट्स, एमएसएमई और युवा उद्यमियों सहित कई तरह के हितधारकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. यहां प्रोफेशनल तरीके से प्रबंधित खरीद-बिक्री का माहौल मिलेगा, जहां एक ही छत के नीचे उत्पादों की लगातार उपलब्धता, पारदर्शी कीमतें और भरोसेमंद सप्लाई चेन सुनिश्चित होगी।"

**ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल** ने कहा कि "मुरादाबाद, जो अपने मेटल हैंडीक्राफ्ट्स और बेहतरीन कारीगरी के लिए दुनियाभर में मशहूर है, वहां रणनीतिक रूप से स्थापित यह कैश एंड कैरी सेंटर शहर को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सोर्सिंग हब के रूप में और मजबूत करता है। कैश एंड कैरी मॉडल पर काम करते हुए यह सेंटर खरीदारों को तुरंत चयन, खरीद और माल ले जाने की सुविधा देता है। यह एक ऐसा प्रभावी होलसेल प्लेटफॉर्म है, जो तुरंत डिलीवरी और बड़े स्तर पर कारोबार को साथ लाता है। रेडी स्टॉक, पारदर्शी कीमतों और भारतीय निर्माताओं तक सीधे पहुंच के साथ, ईपीसीएच–एक्सपोबाजार का यह कैश एंड कैरी सेंटर भारत के संगठित हस्तशिल्प व्यापार की एक मजबूत कड़ी बनने जा रहा है. यह क्रिएटर्स और कॉमर्स, दोनों को सशक्त बनाएगा।"

**इस मौके पर एडमिनिस्ट्रेशन कमिटी के मेंबर रोहित ढल और मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के पैट्रन श्री नजमुल इस्लाम ने भी अपने विचार शेयर किए।**

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक, श्री राजेश रावत ने कहा, "यह सेंटर हर विज़िटर को एक अच्छा अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें कैश एंड कैरी सोर्सिंग के साथ 3D डिज़ाइन स्टूडियो और एक शानदार कैफेटेरिया 'बीन्स एंड ब्रू कंपनी' एक ही छत के नीचे आता है। अब विज़िटर तुरंत प्रोडक्ट्स ले सकते हैं, लेटेस्ट टेक्नोलॉजी सपोर्ट के साथ डिज़ाइन में नए बदलाव कर सकते हैं और कॉफी पीते हुए पार्टनरशिप बना सकते हैं, यह सब इस एक डायनामिक इकोसिस्टम में होता है।"

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के अलग-अलग क्राफ्ट क्लस्टर्स में होम, लाइफस्टाइल, फर्नीचर, इंटीरियर एक्सेसरीज, टेक्सटाइल, फैशन ज्वेलरी व एक्सेसरीज, गिफ्ट और कई अन्य उत्पाद बनाने वाले लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के हुनर का ब्रांड इमेज बनाने की एक नोडल संस्था है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि साल 2024-25 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा।

---

**विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:**
श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच
+91-9810423612

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

**PRESS RELEASE**

# EPCH & ExpoBazaar Together Unveil B2B Cash & Carry Centre in Moradabad, U.P.

## Shri Kapil Dev Aggarwal, Hon'ble Minister of State for Skill Development and Vocational Education (Independent Charge), Govt. of Uttar Pradesh inaugurated the centre

## 3D Design Studio attracts designers, exporters and artisans

## Moradabad Resource Centre Declared as 'Centre of Excellence' (CoE) for Skilling

**Moradabad, Uttar Pradesh | January 9, 2026**: In a decisive step towards redefining India's handicrafts sourcing ecosystem, the Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) in collaboration with ExpoBazaar, a cross-border e-commerce vertical of India Exposition Mart limited, successfully inaugurated a state-of-the-art Cash & Carry Centre at EPCH Resource Centre, Moradabad, Uttar Pradesh. The initiative is new chapter in organised trade, offering streamlined access, transparency and structured sourcing for India's vibrant handicrafts, home and lifestyle products industry.

The inauguration ceremony was graced by Shri Kapil Dev Aggarwal, Hon'ble Minister of State for Skill Development and Vocational Education (Independent Charge), Government of Uttar Pradesh, as the 'Chief Guest' alongwith 'Guest of Honour' Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH & Chairman, IEML and Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH. The ceremony also saw presence of Shri Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH; Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH; Members of Committee of Administration, EPCH: Shri Raj Kumar Malhotra, Shri Ravi K Passi, Shri Prince Malik, Shri Varun Sharma, Shri Salman Azam, Shri Zeeshan Ali, Shri Naved Ur Rehman, Shri Rohit Dhall, Shri Simrandeep Singh Kohli, Ms. Rashim Duggal, Shri Mohd Junaid, Shri Najmul Islam, Patron, Moradabad Handicrafts Exporters Association; Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH; member exporters, artisans, press and media.

Addressing the august gathering **Shri Kapil Dev Aggarwal, Hon'ble Minister of State for Skill Development and Vocational Education (Independent Charge), Government of Uttar Pradesh** commended EPCH and ExpoBazaar for creating a forward-looking platform that directly supports exporters, artisans and young entrepreneurs in a city globally known as the "Metal Craft City of India". Hon'ble Minister congratulated EPCH Moradabad Resource Centre for being declared as 'Centre of Excellence' (CoE) for skilling in metal craft, recognizing our commitment towards artisan training, design innovation and market-led skill development programs and also gave skill training certificates to artisans who had successfully completed specialized training in contemporary metal craft techniques.

The Hon'ble Minister also commended Dr. Rakesh Kumar's tireless efforts in elevating Indian handicrafts to new heights through visionary infrastructure, technology integration and market expansion initiatives that have transformed traditional clusters into globally competitive hubs. He urged all exporters present to share their field experience, market insights and practical knowledge with these trained artisans, emphasizing that such knowledge transfer would further strengthen Moradabad's handicraft ecosystem and enhance the global competitiveness of local craftsmanship.

Speaking on the occasion, **Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH** shared that "the Cash & Carry Centre in Moradabad is part of EPCH's broader vision to enhance ease of doing business and promote design-led, market-responsive growth in the handicrafts sector. The Cash & Carry Centre at Moradabad is designed as a one-stop sourcing destination which brings together a thoughtfully curated range of handicrafts, home décor, furnishings, giftware, lifestyle accessories, utility products and contemporary craft-led offerings".

“All products showcased at the Centre are sourced exclusively from Indian handicrafts manufacturer-exporters, crafts enterprises and established craft clusters from Moradabad, Noida, Agra, Jaipur, Saharanpur, Haryana, Delhi, Bhadohi, Sambhal etc ranging from accent furniture, home décor, jewellery, marble décor, rugs and carpets, textiles, kitchen accessories, and lamp lighting and many more products to include further. This diverse curation ensures authenticity, ethical sourcing and quality assurance while celebrating the country’s diverse regional traditions, materials and artisanal techniques. The Centre seamlessly bridges traditional craftsmanship with modern retail and sourcing requirements. It creates a direct and meaningful link between artisans and the domestic as well as international trade fraternity, supporting sustainable livelihoods while aligning with evolving global market expectations”. Dr. Khanna added further

Echoing the sentiments, **Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH & Chairman, IEML** said that “*the opening of state-of-the-art Cash & Carry Centre in Moradabad and associated facilities marks an important milestone in our efforts to modernize the handicrafts ecosystem”*.

He emphasized, *'Aap product do, main product market dunga' – ‘you provide the product, I will provide you the market through Expo Bazaar’*. The initiative blends tradition with technology, strengthens infrastructure at the cluster level and supports market diversification by creating an organised platform that connects artisans and exporters directly with a wide spectrum of buyers”.

Dr. Kumar further highlighted that the initiative will be integrated with **warehousing, fulfillment, and just-in-time delivery mechanisms**, enabling faster market access for Indian handicrafts in both domestic and international markets, and laying the foundation for a modern, efficient, and sustainable export value chain.

Dr. Kumar further added that “Adding a future-forward dimension, the Centre will also house a Design Studio supported by 3D printing facilities, aimed at nurturing young entrepreneurs, start-ups and first-generation business owners. This initiative will enable exposure to diversified product categories, global design trends, quality benchmarks, packaging norms, and buyer expectations encouraging innovation and informed decision-making within the handicraft’s ecosystem.”

Sharing his view, **Shri Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH,** said that “The Cash & Carry Centre is tailored to serve a wide spectrum of stakeholders, including retailers, wholesalers, domestic and international buyers, institutional buyers, interior designers, hospitality buyers, sourcing agents, MSMEs and young entrepreneurs. With a professionally managed buying and selling environment, the Centre ensures consistent product availability, transparent pricing, and a reliable supply chain under one roof”.

**Shri Avdesh Aggarwal, Chief Convenor, EPCH**, said that “strategically located in Moradabad, globally renowned for its metal handicrafts and artisanal excellence, the Cash & Carry Centre further cements the city’s position as a key domestic and international sourcing destination. Operating on a Cash & Carry model, the Centre enables buyers to select, purchase, and carry products instantly, making it an efficient wholesale-oriented platform that combines immediacy with scale. By offering ready stock, transparent pricing and direct access to Indian manufacturers, the EPCH–ExpoBazaar Cash & Carry Centre is poised to become a cornerstone of India’s organised handicrafts trade, empowering both creators and commerce alike.

**Rohit Dhall, Member of the Committee of Administration and Shri Najmul Islam, Patron, Moradabad Handicraft Exporters Association, also shared their views on the occasion.**

Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH said, “The Centre is designed to offer a wholesome experience to every visitor, bringing together cash and carry sourcing with 3D Design Studio and a vibrant cafeteria ‘Beans & Brew Co.’ under one roof. Now visitors can source products instantly, innovate designs with cutting-edge technology support and build partnerships over coffee, all within this single dynamic ecosystem.”

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal institution for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, furniture, interior accessories, textiles, fashion jewellery & accessories, gifts and more products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US $ 3,918 Million) informed by Shri Rajesh Rawat, Executive Director-EPCH.

---

**For more information please contact:**
Shri. Rajesh Rawat, Executive Director-EPCH;
+91-9810423612
Encl: English, Hindi with photos

**Photo 1 & 2:** Shri Kapil Dev Aggarwal, Hon'ble Minister of State for Skill Development and Vocational Education (Independent Charge), Government of Uttar Pradesh, inaugurated first B2B Cash & Carry Centre by Lamp Lighting and Ribbon Cutting in the august presence of Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH & Chairman, IEML; Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH; Shri Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH; Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH; Members of Committee of Administration, EPCH: Shri Raj Kumar Malhotra, Shri Ravi K Passi, Shri Salman Azam, Shri Najmul Islam, Patron, Moradabad Handicrafts Exporters Association; Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH; member exporters today at Moradabad, U.P.

**Photo 3:** Shri Kapil Dev Aggarwal, Hon'ble Minister of State for Skill Development and Vocational Education (Independent Charge), Government of Uttar Pradesh addressing the august gathering during Inauguration of Cash & Carry Centre held today at Moradabad, U.P.

**Photo 4 & 5:** Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH & Chairman, IEML; Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH addressing the august gathering during Inauguration of Cash & Carry Centre held today at Moradabad, U.P.

**Photo 6 & 7:** Shri Kapil Dev Aggarwal, Hon'ble Minister of State for Skill Development and Vocational Education (Independent Charge), Government of Uttar Pradesh visited Cash & Carry Centre and 3D Design Studio at Moradabad, U.P.

**Photo 8:** August Gathering during Inauguration of Cash & Carry Centre held today at Moradabad, U.P.